तबाही: राज्य के सभी जिलों में बारिश, सामान्य से 195 प्रतिशत ज्यादा

बिहार में बेमौसम बारिश से फसलों-फलों को भारी क्षति

03 लोगों की मौत बारिश के दौरान सूबे में हुई

70 किमी की रफ्तार से हवा चली, बिजली आपूर्ति भी बाधित

पटना, हिन्दुस्तान टीम। बेमौसम बारिश ने बिहार के किसानों को चिंता बढ़ा दी है। पिछले दो दिनों से हो रही आंधी-बारिश और ओलावृष्टि से रबी फसलों और फलों को भारी हानि हुई है। लगातार बारिश के साथ तेज हवा ने नुकसान बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि गेहूं, मक्का, राई-सरसों, दलहनी फसलों और आम-लीची का उत्पादन घटेगा।

कृषि विभाग नुकसान का आकलन करने में जुट गया है। कृषि मंत्री रामकृपाल यादव ने बताया कि सभी जिलों से फसल क्षति की रिपोर्ट मंगाई जा रही है। ज्यादा नुकसान वाले जिलों के किसानों को मुआवजा दिया जाएगा।

13.2 मिलीमीटर बारिश : राज्य के सभी जिलों में औसतन शनिवार को 13.3 मिलीमीटर बारिश हुई। जो सामान्य से 195 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान तीन लोगों की मौत हो गई। गया में ठनका से तीन वर्षीय बच्चे की जान गई। वहीं, किशनगंज में फूस के घर पर पेड़ गिरने से फुलमनी देवी और फारबिसगंज में फूस के घर की दीवार गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई।

मौसम विभाग के अनुसार सुपौल, समस्तीपुर, बेगूसराय और कटिहार में भारी जबकि शेष जिलों में हल्के से मध्यम स्तर की बारिश हुई। इस दौरान 70 किलोमीटर रफ्तार से किशनगंज में हवा चली। दरभंगा में आंधी से प्रसिद्ध कुशेश्वरनाथ महादेव मंदिर का गुंबद झुक गया है। राज्यभर में जगह-जगह ग्रामों के फूस-खपरा के घर उजड़ गये। शहर से लेकर गांव तक विद्युत आपूर्ति बाधित रही। कुछ क्षेत्रों में तो 12 घंटे के बाद बिजली उपलब्ध हो सकी।

सबसे ज्यादा नुकसान गेहूं, मक्का, दलहन और आम को हुआ है। गेहूं की फसल दाना भरने और पकने की अवस्था में है। तेज हवा से गेहूं और मक्के की फसल गिर गई है। वरीय कृषि वैज्ञानिक डॉ. पीके द्विवेदी का कहना है कि गिरी हुई फसल सड़ने की आशंका है। दाने काले हो जाएंगे। मसूर और चने में भी फली झड़ने और फलियों के चटकने का डर है। इससे गुणवत्ता व उत्पादकता प्रभावित होगी। उत्पादन घट जाएगा। अभी बारिश का अलर्ट बना हुआ है। यही परेशानी का बड़ा कारण है।

मोकामा के टाल इलाके में शनिवार को तेज आंधी के बाद हुई बारिश के कारण गिरी गेहूं की फसल। • हिन्दुस्तान

■ आकलन में जुटा कृषि विभाग, सभी जिलों से मंगाई जा रही फसल क्षति की रिपोर्ट

अलर्ट: सात जिलों में आज आंधी-बारिश

रविवार को अररिया, किशनगंज, मधुबनी, शिवहर, सीतामढ़ी और सुपौल जिलों में गरज-चमक के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का पूर्वानुमान है। जबकि अन्य जिलों में आसमान साफ रहेगा। जिससे अधिकतम और न्यूनतम तापमान में क्रमिक वृद्धि होगी। वहीं 25 मार्च से एक बार फिर राज्य भर में गरज-चमक और तेज हवा के साथ वर्षा होने की आशंका है।

आशंका: केलों पर आंधी-बारिश से गेहूं-मक्के की 30% तक नुकसान

वरिष्ठ कृषि और किसानों का मानना है कि रबी फसलों में 20 फीसदी तक नुकसान हो सकता है। ज्यादा प्रभावित इलाकों में नुकसान 30 फीसदी तक जा सकता है। इससे पहले नवंबर में बारिश से बुआई में देरी हुई। फलों की शुरुआत में भीषण गर्मी का भी असर हुआ। दाने भरने के समय तापमान में अचानक वृद्धि से पौधों का विकास प्रभावित हुआ। अब बेमौसम बारिश ने किसानों की मुसीबत बढ़ा दी

आम: आज ओलावृष्टि की चेतावनी के साथ 50 से ज्यादा जिलों में बारिश

तेज हवा, बारिश के साथ ओले गिरने से आम और लीची को क्षति हुई है। लीची के फूल और आम के मंजर और टिकोले झड़ गए हैं। राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. एसके सिंह ने कहा कि समय पर जल प्रबंधन नहीं होने पर नुकसान 50 फीसदी तक हो सकता है। अधिक नमी से फफूंद जनित रोगों का तेजी से प्रसार होगा। इससे बचाव के लिए छिड़काव करें। बाग में पानी जमा नहीं होने दें।

पटना में बारिश से 8.9 डिग्री गिरा पारा

मौसम में बदलाव से राज्य के तापमान में गिरावट आयी है। तेज हवा के बीच बारिश से ठंड का अहसास हो रहा है। राज्य के अधिकतम तापमान में 13.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान में 5.4 डिग्री की गिरावट आई। पटना जिले में 7.7 मिलीमीटर बारिश हुई और 50 से 58 किलोमीटर की रफ्तार से हवा चली। यहां अधिकतम तापमान 8.9 डिग्री और न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री गिरा। पटना का अधिकतम तापमान 24.7 और न्यूनतम तापमान 18.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। पटना में रविवार को आंशिक तौर पर बादल छाने और पारा चढ़ने के आसार है।

विशेषज्ञ बोले : सांस और दमा के मरीज रहें सतर्क

पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल के मेडिसीन विभाग के चिकित्सक डॉ. राजन कुमार ने बताया कि अचानक मौसम में बदलाव से सर्दी-खांसी, बुखार, निमोनिया, छाती में संक्रमण की शिकायत बढ़ जाती है। दमा और हृदय रोग के मरीजों की परेशानी भी ज्यादा होती है। इसलिए बच्चे-बुजुर्ग सावधानी बरतें। सबसे पहले गला का इम्युनिटी कमजोर होता है। जिससे बाद में संक्रमण होता है। इसलिए ठंडा पानी, कोल्ड ड्रिंक्स, दही के सेवन से बचें।